वार्नर जैसा तीनों प्रारूप में प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना बहुत मुश्किल है। मैं उनके साथ खेला भी हूं। मैंने वास्तव में उनके साथ रहने का पूरा आनंद लिया। उन्होंने जो कुछ किया उसके लिए उन्हें खुद पर गर्व होना चाहिए।

- रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान, डेविड वार्नर की प्रशंसा में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी **रोहित शर्मा**

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। अपनी इस पारी के दम पर रोहित शर्मा टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ये टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर रहा। रोहित ने अपनी पारी में लगातार 8 छक्कों की मदद से 200 छक्के पूरे किए और ऐसा करने वाले वो दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

अफगानिस्तान पहली बार आईसीसी इवेंट के सेमीफाइनल में

लिटन दास खड़े देखते रहे, अफगानिस्तान ने आठ रन से मार लिया मैदान

अफगानिस्तान की जीत से ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की रेस से बाहर हुआ

किंग्सटाउन, 25 जून। टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप एक में बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास नाबाद (54) खड़े देखते रहे और राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजों ने इतिहास रचते हुए आठ रन से वर्षा बाधित मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान और नवीन उल हक ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चार-चार विकेट चटकाते हुए बंगलादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर ढ़ेरकर मुकाबला जीतकर ऑस्ट्रेलिया को भी विश्वकप से बाहर कर दिया है। बंगलादेश के लिटन कुमार दास एक छोर थामे खड़े रहे लेकिन किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया।

उन्होंने 49 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से नबाद (54) रनों की पारी खेली। मैच के बीच में बारिश होने के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत बंगलादेश का एक ओर घटाकर 19 ओवर में संशोधित लक्ष्य दिया गया था। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

रहमतउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 59 रन जोड़। 11वें ओवर में रिशाद हुसैन ने इब्राहिम जदरान (18) को आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजमतउल्लाह उमरजई भी (10) बनाकर पवेलियन लौट गये। गुलबदीन नईब (4) और मोहम्मद नबी एक रन बनाकर आउट हुये।

रहमतउल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक (43) रन बनाये। कप्तान राशिद खान 10 गेंदों में (19) और रहमत करीम (7) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 115 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

डेविड वार्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

सेंट लूसिया, 25 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वॉर्नर ने अफगानिस्तान द्वारा बंगलादेश को आठ रन कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विश्वकप 2024 से बाहर होने के साथ संन्यास की घोषणा की है। इसी के साथ ही वॉर्नर डेविड का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त हो गया है। उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में अपना आखिरी मैच और इसके बाद जनवरी 2024 में पाकिस्तान के साथ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था।

उन्होंने भारत के खिलाफ टी-20 विश्वकप 2024 में अपने टी-20 करियर का अंतिम मैच खेला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्ष 2009 में टी-20 प्रारूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने 11 जनवरी 2009 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी-20 मैच खेला था। इस वर्ष 18 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका खिलाफ एकदिवसीय मैच में पर्दापण किया। उन्होंने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में टेस्ट मैच में पर्दापण किया था।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 112 टेस्ट में 8786 रन बनाए जिसमें अर्धशतक 37 और शतक 26 शामिल है। वहीं 161 एकदिवसीय मैचों में 6932 रन बनाए। इसमें अर्धशतक 33 और शतक 22 है। 110 टी-20 मैचों में 3277 रन बनाए। जिसमें 28 अर्धशतक और एक शतक शामिल है।

डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के सह निर्माता फ्रैंक डकवर्थ का निधन

नयी दिल्ली 24 जून। क्रिकेट के वर्षा प्रभावित मैचों में परिणाम निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त होने वाली डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धित के सह निर्माताओं से एक फ्रैंक डकवर्थ निधन हो गया है।

वह 84 वर्ष के थे। फ्रैंक डकवर्थ का बीते शुक्रवार निधन हुआ। डकवर्थ ने साथी सांख्यिकीविद् टोनी लुईस के साथ बारिश या अन्य कारकों से बाधित सीमित ओवरों के मैचों में निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डीएलएस नियम को तैयार किया था। इस नियम पहली बार 1997 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया गया था। वर्ष 2001 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसे आधिकारिक रूप से अपनाया। वर्ष 2014 में डकवर्थ और लुईस के सेवानिवृत्त होने के बाद उनके योगदान को मान्यता देते हुए इस विधि का नाम बदलकर डीएलएस कर दिया गया। डकवर्थ और लुईस दोनों को क्रिकेट में उनकी सेवाओं के लिए वर्ष 2010 में ब्रिटेन में सम्मानित किया गया था।

सिर्फ ब्रायन लारा थे जिन्हें हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था : राशिद खान

किंग्सटाउन, 25 जून। दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा

किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखायेंगे। और ऐसा ही हुआ। काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। लारा ने मई में पीटीआई संपादकों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था ,'' वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। चौथे स्थान के लिये मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है। मैने ग्रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है।'' राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा ,'' हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है। हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था।''

यूरो कप : क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

बर्लिन, 25 जून। इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी। इससे पहले क्रोएशिया के लिये लुका मॉड्रिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था । इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत में जीत दर्ज करनी थी। क्रोएशिया के तीन मैचों में दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में नॉकआउट चरण में जगह बनाने के लिये उसे बाकी मैचों के नतीजों का इंतजार करना होगा। इटली का सामना अंतिम 16 में शनिवार को स्विटजरलैंड से बर्लिन में होगा। संभवत: अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे क्रोएशिया के लुका मॉड्रिच ने इटली के खिलाफ गोल किया तो वह यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और उन्हें प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार भी मिला लेकिन वह इसका जश्न मनाने के मूड में नहीं थे। इटली के मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल कर दिया। इससे क्रोएशिया की नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है।

अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत पर झूमा तालिबान, विदेश मंत्री ने दी बधाई

अफगानिस्तान, 25 जून। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने लाखों अफगानिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों की भावनाओं को दोहराया जब उन्होंने मंगलवार, 25 जून को राशिद खान से वीडियो कॉल पर बात की और पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए टीम को बधाई दी। मुत्ताकी ने अपनी बातचीत (मुबारक) के साथ शुरू की, जब उन्होंने किंग्सटाउन, सेंट विंसेंट के अर्नोव वेले ग्राउंड में अपने आखिरी सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर रोमांचक जीत के ठीक बाद राशिद खान को एक संदेश भेजा। अफगानिस्तान ने पहली बार पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपनी सबसे यादगार जीत में से एक हासिल की। कैरेबियाई क्षेत्र में अफगानिस्तान ने बड़े पैमाने पर जायंट किलर साबित हुई क्योंकि उन्होंने सुपर 8 मैच में ऑस्ट्रेलिया पर सनसनीखेज जीत हासिल करने से पहले ग्रुप चरण में पूर्व फाइनलिस्ट न्यूजीलैंड को हराया था।

20 किमी. पैदल चाल में प्रियंका गोस्वामी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश की प्रियंका गोस्वामी ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में गोल्ड मेडल जीतकर ओलिंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। एक घंटा 28 मिनट 50 सेकंड के समय के साथ विश्व चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक दोनों के लिए टिकट कटा लिया है। फिलहाल प्रियंका एथलेटिक्स से 2024 खेलों के लिए क्वॉलीफाई करने वाली पहली भारतीय हैं।

टोक्यो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी 26 बरस की प्रियंका ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में सिल्वर

जीता था। प्रियंका का लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना है। प्रियंका गोस्वामी का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा है। रोडवेज ने प्रियंका के पिता परिचालक मदनपाल गोस्वामी की नौकरी छीन ली थी। प्रियंका ने पिता की नौकरी जाने के बाद कमजोर आर्थिक स्थिति और अन्य मुश्किलों का सामना कर ओलंपिक तक का सफर तय किया है।

2006 में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र के सागड़ी गांव से मदनपाल गोस्वमी, पत्नी अनीता गोस्वामी और दोनों बच्चों कपिल व प्रियंका को लेकर मेरठ आ गए थे। पिता मदनपाल रोडवेज में परिचालक थे। मदनपाल का कहना है कि 2010 में रोडवेज के उच्चाधिकारियों ने मिलीभगत कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी और नौकरी से निलंबित करा दिया।

हमने अपने समर्थकों को निराश किया, मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं : शांतो

किंग्सटाउन, 25 जनू। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराबप्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। शांतो ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि एक टीम के रूप में हमने बांग्लादेश के अपने प्रशंसकों को निराश किया। इसलिए मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए।'' उन्होंने कहा,''हमें इसके लिए खेद है। हम भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों में अच्छा खेल दिखाने का प्रयास करेंगे।'' बांग्लादेश की टीम सुपर 8 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन शांतो ने कहा कि उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे। उन्होंने कहा,''हमारे लिए सकारात्मक पहलू यह रहा कि हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रिशाद हुसैन ने इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में लगभग हर मैच में अच्छी गेंदबाजी की। हमारे लिए कई चीजें सकारात्मक रही लेकिन बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमने प्रशंसकों और अपने देश के लोगों को निराश किया।

किसान का बेटा किशोर कुमार जेवलिन थ्रो में दिखायेगा दमखम

नई दिल्ली, 25 जून। किशोर कुमार जेना ने चीन के हांगझोऊ में 86.77 मीटर भाला फेंककर पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। ओडिशा के पुरी जिले के कोठासाही गांव में किशोर जेना का घर है। छह बहनों में सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता किसान हैं और अपनी बेटियों की शादी की व्यवस्था करने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कभी नहीं छोड़ा। जेना के अनुसार, जब वह किशोर थे, तब वह वॉलीबॉल खेलते थे। उन्होंने 2015 में भाला फेंकना शुरू किया।

किशोर जेना का घर ओडिशा के पुरी जिले के कोथासाही गांव में है। छह बहनों के सबसे छोटे भाई किशोर जेना के पिता खेती करते हैं और सभी बेटियों की शादी के लिये आर्थिक अड़चनें झेलने के बावजूद बेटे के सपने पूरे करने में कभी पीछे नहीं हटे। किशोर जेना के मुताबिक, वह पहले वॉलीबॉल खेलते थे। 2015 में उन्होंने भाला फेंक को अपनाया था। उन्होंने भुवनेश्वर के स्पोर्ट्स हॉस्टल से अपनी शुरूआत की थी। अब वह पटियाला साई केंद्र का हिस्सा हैं। परिवार में कोई खेलों से जुड़ा नहीं है। उनका साधारण मध्यमवर्गीय परिवार है। यह भाला फेंक में उनकी प्रतिभा ही थी जिसने उन्हें साल 2018 में भोपाल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में नौकरी दिला दी।

साल 2022 में बेंगलुरु में नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अपने आखिरी प्रतिस्पर्धी मुकाबले में जेना ने 78.05 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ कांस्य पदक जीता। साल 2023 में जेना अपने खेल को एक अलग स्तर पर ले गए। उन्होंने बेल्लारी में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक के साथ सीजन की शुरुआत की, इस इवेंट में उन्होंने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 78.93 मीटर का थ्रो किया। तिरुवनंतपुरम में 2023 इंडियन ग्रां प्री में, किशोर जेना ने पहली बार 80 मीटर के बाधा को पार किया। उन्होंने 81.05 मीटर थ्रो के साथ एक और स्वर्ण पदक जीता।

तीरंदाजी में बोम्मादेवरा धीरज पदक पर लगायेंगे निशाना

नई दिल्ली, 25 जून। बोम्मादेवरा धीरज ने तीरंदाजी प्रतियोगिता के जरिए पेरिस ओलंपिक-2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भी वे विश्व चैंपियनशिप समेत कई बड़ी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर

चुके हैं। बोम्मादेवरा धीरज का जन्म 3 सितंबर 2001 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था । उनके पिता बोम्मादेवरा श्रवण कुमार भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी अधिकारी हुआ करते थे। उन्होंने विजयवाड़ा के एसआरआर और सीवीआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में डिग्री के लिए अध्ययन किया। उन्होंने 2006 में विजयवाड़ा में वोल्गा तीरंदाजी अकादमी में तीरंदाजी शुरू की। चार साल तक पुणे में आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लेने के बाद, वह 2021 में हवलदार के पद पर सेना में शामिल हुए। वह रिकर्व पुरुष व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिकर्व पुरुषों में, वह विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर हैं।इसके साथ ही बोम्मादेवरा धीरज कई प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। जिसके तहत उन्होंने 2023 में मिश्रित टीम स्पर्धा के अलावा पुरुष टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में बर्लिन, जर्मनी में विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एमिटी ने नोएडा सिटी और नॉर्दन यूनाइटेड ने एम 2 एम को हराया

नयी दिल्ली, 25 जून। विनय के दो बेहतरीन गोलों की मदद से एमिटी इंडियन नेशनल ने नोएडा सिटी एफसी को 2-1 से परास्त कर डीएसए ए डिवीजन के सुपर सिक्स मुकाबले में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत से एमिटी के चैंपियनशिप जीतने की उम्मीद बढ़ गई है। पराजित नोएडा सिटी के लिए कर्मण्य ने गोल किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में नॉर्दन यूनाइटेड ने हेमंत ठाकुर के पेनल्टी गोल से एम 2 एम को 1-0 से पराजित किया। एमिटी की जीत का आकर्षण विनय द्वारा क्रमश 48वें और 53वें मिनट में जमाए गोल रहे। पांच मिनट में दो गोल करने के बाद एमिटी की फार्म में यकायक गिरावट आई और उसे रक्षात्मक खेलना पड़ा। गोल उतारने के लिए नोएडा सिटी ने भरसक प्रयास किया किंतु कर्मन्य बंसल ही गोल जमा पाया। अंतिम बीस मिनट में एमिटी पर दबाव बढ़ जाने के कारण उसके मिड फील्डर और फारवर्ड चल नहीं पाए। नतीजन नोएडा सिटी ने खेल पर पकड़ तो बनाई लेकिन लगातार आसान मौके और मैच गंवाया।

मैंने तेज हवाओं के बीच मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई : रोहित

ग्रॉस आइलेट, 25 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में सेंट लूशिया में चल रही तेज हवाओं के बीच चतुराई से बल्लेबाजी करते हुए मैदान के हर कोने में शॉट लगाने की रणनीति बनाई जो सार्थक रही। प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, मैंने पहले ओवर से ही मन बना लिया था और बेहद तेज हवा भी चल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए हवा के खिलाफ गेंदबाजी करनी शुरू कर दी थी। इसी कारण मुझे मैदान का दूसरा हिस्सा भी खोलना पड़ा। जब हम खेलते हैं तो हमें चतुराई दिखानी होगी। मैं ऐसा करने के लिए तैयार था।

उन्होंने कहा, आपको समझना होगा कि गेंदबाज भी चतुर हैं। वे हवा की ओर गेंदबाजी नहीं करने वाले हैं। आपको मैदान का हर कोना खुला रखना होगा और केवल एक दिशा में खेलने को नहीं देखना होगा। यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं हर संभव क्षेत्र में गेंद को मारने के लिए देख रहा था। जब आप केवल एक ही शॉट खेलने के लिए नहीं देखते हैं तो आप मैदान के किसी भी कोने में शॉट खेल सकते हैं। मैं यही करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, विकेट अच्छा था। जब आप अच्छी विकेट देखते हैं तो एक बल्लेबाज़ के रूप में इस तरह के शॉट खेलने के लिए स्वयं को तैयार रखते हैं। मैं कई सालों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं खुश हूं कि आज़ यह अच्छे से हो पाया। उन्होंने कहा, यह काफी सुखद है और विशेषकर तब जब आप ऐसा खेलते हैं। हम विपक्षी टीम को और उनके द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले खतरे को अच्छे से जानते हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम बेहद अच्छा खेले। हम वो चीजे करते रहे जो हमसे उम्मीद थी और हम जो करना अच्छा से जानते हैं। ऐसे मैच से हमारे आत्मविश्वास काफी वृद्धि होगी।

स्टीपलचेज में अविनाश को पेरिस का टिकट मिला

नई दिल्ली, 25 जून। भारत के स्टीपलचेज़ चैंपियन अविनाश साबले ने अपने कठिन परिश्रम की बदौलत अगले माह फ्रांस में होने

वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कुछ साल पहले ट्रैक पर उतरने के बाद स्टीपलचेज़र अविनाश साबले ने इस पीढ़ी के भारत के प्रमुख लंबी दूरी के धावक के रूप में खुद को तेज़ी से स्थापित किया है। उनके माता-पिता किसान थे और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अपने स्कूल जाने के लिए हर दिन छह किलोमीटर दौड़ना पड़ता था। अविनाश साबले ने कभी भी बड़े होकर किसी भी खेल को अपना करियर बनाने के बारे में नहीं सोचा और अपने परिवार की मदद करने के लिए सेना में शामिल होने का मन बना लिया।

डीएसपी पारुल चौधरी से ओलंपिक में पदक की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ के एक गाँव की बिटिया पारुल चौधरी को पिछले साल एशिय़न गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएसपी नियुक्त किया था। अगले माह फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले ओलंपिक में भी पारुल पर देशभर की निगाहें टिकी होंगी। एक किसान की बेटी पारुल चौधरी कभी अपने गांव से स्टेडियम की यात्रा पैदल किया करती थी। आठ साल पहले जो जुनून इस बिटिया के अंदर आया उसी का असर है कि आज वह देश की नम्बर एक धावक बन गई है। इस चैंपियन बिटिया ने अब तक इतने मेडल जीते हैं कि एक पूरा कमरा ही मेडल से भर गया है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 9:15.31 के समय के साथ दौड़ पूरी की थी। साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया था। पारुल ने तब ललिता बाबर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। ललिता ने रियो 2016 ओलंपिक में 9:19.76 के समय के साथ तीन हजार मीटर स्टीपलचेज की दौड़

पूरी की थी। पिछले साल प्रदेश सरकार ने 19वें एशियाई खेल-2022 में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी पारुल चौधरी को 4.50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर नियुक्ति का पत्र सौंपा था।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

नई दिल्ली, 25 जून। सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान-प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई।

भारत का घरेलू सत्र 2024-25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञिप्त में कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।'' राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया।

महिला एशिया कप के पहले दिन होगी भारत-पाक की भिड़ंत

नयी दिल्ली, 25 जून। एशियाई क्रिकेट परिषद के महिला एशिया कप 2024 के कार्यक्रम में किये गये बदलाव के तहत मौजूदा चैंपियन भारत टूर्नामेंट के पहले दिन 19 जुलाई शाम को पाकिस्तान से भिडेगा। इसी दिन नेपाल और यूएई दोपहर में टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे। एसीसी के पहले तय कार्यक्रम के अनुसार ये दोनों मुकाबले पहले 21 जुलाई को खेले जाने थे। नेपाल और पाकिस्तान के बीच पहला मैच होना था। दूसरा मैच भारत और यूएई के बीच खेला जाना था। अब ये मैच 21 जुलाई को खेले जाएंगे। शेष कार्यक्रम वही रहेगा। टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक चलेगा और सभी मैच दांबुला खेलें जायेंगे। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें खेलेंगी।